22. चित्र वर्णन

चित्रों या किसी दृश्य को देखकर उसमें हो रही गतिविधि या घटना के संबंध में अपनी अवलोकन क्षमता द्‌वारा क्रमबद्‌ध वाक्य लिखना चित्र वर्णन कहलाता है। चित्र वर्णन में कल्पनाशक्ति भी निहित होती है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को चित्र वर्णन के मुख्य बिंदुओं से अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर उस पर बातचीत करें। चित्र में क्या हो रहा है, चित्र कहाँ से संबंधित है, पूछते हुए चित्र का वर्णन बच्चों से पढ़वाएँ।
- ❖ बातचीत करें, जब वे किसी शादी-पार्टी में जाते हैं तो वहाँ का दृश्य कैसा होता है अथवा पिकनिक या मॉल का दृश्य क्या-क्या प्रकट करता है आदि बातचीत द्‌वारा बच्चों का ध्यान बनाए रखें।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए गए चित्रों पर चर्चा करें तथा फिर उनका वर्णन लिखवाएँ। यथासंभव सहायता करें।